नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 138
दि. 17.09.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर ट्रम्प ने फोन कर दी बधाई? क्या भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बात बनी?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 सितंबर 2025 को 75वां जन्मदिन है। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर की है।

यह बधाई ऐसे समय में आई है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते (ट्रेड डील) को लेकर बातचीत फिर से शुरू हो गई है। मंगलवार को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लगभग सात घंटे तक बैठक चली। इसके कुछ घंटे बाद पीएम नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति ट्रम्प ने बधाई दी।

पीएम मोदी बोले- मेरे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप ने बधाई दी

पीएम मोदी ने पर एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी साझा की। उन्होंने

लिखा, "मेरे दोस्त, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।"

पीएम मोदी ने आगे कहा, "आपकी तरह मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।"

पीएम मोदी को जमदिन को बधाई देने के बाद ट्रम्प ने भी ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा, "अभी-अभी मेरे मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक अद्भुत फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं! वह शानदार काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद!"

अमेरिकी दूतावास ने भी पुष्टि की कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को लेकर हुई यह बैठक काफी सकारात्मक रही।

भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार की अहमियत को स्वीकार करते हुए सकारात्मक और भविष्य पर केंद्रित चर्चाएं कीं।

उ.प्र. सीएम ने टीईटी को लेकर किया बड़ा फैसला, सुप्रीमकोर्ट में रिवीजन याचिका दाखिल करेगी योगी सरकार

नई दिल्ली, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री जी ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय- समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है. ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है. सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक लंबे समय से बच्चों को पढ़ा रहे हैं और उनमें पर्याप्त अनुभव और योग्यता है. इसके अलावा सरकार समय-समय पर शिक्षकों को ट्रेनिंग और कार्यशालाओं के जरिए अपडेटेड करती रही है. ऐसे में उनकी सालों की सेवा और अनुभव को दरकिनार करना उचित नहीं होगा.

सीएम योगी ने अपनी पोस्ट में लिखा- ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए ळएळ की अनिवार्यता पर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि

प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान और अधिक दिखाएं.

क्यों जरूरी है यह कदम?

सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के अनुसार, शिक्षण कार्य के लिए ळएळ अनिवार्य कर दिया गया है. इससे पहले से नौकरी कर रहे हजारों शिक्षकों पर संकट खड़ा हो सकता है. सरकार का तर्क है कि लंबे समय से पढ़ा रहे शिक्षकों ने अपने काम और ट्रेनिंग से खुद को साबित किया है. ऐसे में नए उम्मीदवारों के लिए TET को जरूरी रखना ठीक है, लेकिन पुराने शिक्षकों पर इसका दबाव डालना अन्याय होगा

यूपी सरकार अब इस आदेश पर रिवीजन याचिका दाखिल करेगी. अगर कोर्ट ने सरकार की दलील मानी, तो वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों को TET से छूट मिल सकती है.

संक्षिप्त समाचार

डेनमार्क के पीएम के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर हुई बात

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत के

दौरान पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के समापन के लिए अपने देश का मजबूत समर्थन व्यक्त किया। भारत और डेनमार्क के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मंगलवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की

(जीएनएस)।

मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री माननीय डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने आज (16 सितंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस मुलाकात के साथ ही प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम की 9 से 16 सितंबर तक की भारत की राजकीय यात्रा संपन्न हुई। इस राजकीय यात्रा के दौरान उन्होंने मुंबई, वाराणसी, अयोध्या और तिरुपति का दौरा किया।

राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और मॉरीशस के बीच साझेदारी एवं सहयोग हर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि हाल ही में दोनों देशों के संबंधों को 'उन्नत रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने में परिलक्षित होती है।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि भारत मॉरीशस सरकार की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का समर्थन कर रहा है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नया विशेष आर्थिक पैकेज मॉरीशस सरकार और जनता की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल, सड़क, बंदरगाह विकास, रक्षा खरीद और संयुक्त निगरानी जैसी परियोजनाएं बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी और आने वाले वर्षों में लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगी। उन्होंने आगे कहा कि द्विपक्षीय सहयोग अब डिजिटल तकनीकों और अंतरिक्ष क्षेत्र सहित नए क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है।

दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध अनूठे हैं, जो हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम के व्यापक नेतृत्वकारी अनुभव से, भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और भी मजबूत होंगे।

संस्कृति मंत्रालय ने प्रधानमंत्री के स्मृति चिन्हों की नीलामी के 7 वें संस्करण की घोषणा की

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मिले 1300 से अधिक उपहारों की होगी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक नीलामी: श्री गजेंद्र सिंह शेखावत

(जीएनएस)।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा (एनजीएमए) द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री के स्मृति चिन्हों की ई-नीलामी के 7वें संस्करण के शुभारंभ की घोषणा की। यह घोषणा केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एनजीएमए में की।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले 1300 से अधिक उपहारों की 17 सितंबर

2025 से ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के स्मृति चिन्हों की ई-नीलामी के 7वें संस्करण को संबोधित करते हुए श्री शेखावत ने कहा कि जिन वस्तुओं की नीलामी की जाएगी उनमें पेंटिंग, कलाकृतियाँ, मूर्तियाँ, देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ और कुछ खेल संबंधी सामान शामिल हैं।

पहली नीलामी जनवरी 2019 में हुई थी। तब से, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को भेंट किए गए हजारों अद्वितीय उपहारों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे नमामि गंगे परियोजना के समर्थन में ₹50 करोड़ से अधिक की राशि जुटाई गई है। श्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने इस नेक काम के लिए उन्हें मिले सभी स्मृति चिन्हों को समर्पित किया है।

इस वर्ष के संस्करण में 1,300 से अधिक वस्तुएं शामिल होंगी, जिनके लिए बोली आधिकारिक पोर्टल पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक लगाई जा सकती है।

यह संग्रह भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है, जिसमें पारंपरिक कला, पेंटिंग, मूर्तियां, हस्तशिल्प और आदिवासी कलाकृतियों से लेकर सम्मान और आदर के औपचारिक उपहार शामिल हैं। कुछ प्रमुख वस्तुओं में शामिल हैं:

जम्मू और कश्मीर से एक जटिल रूप से कढ़ाई वाली पश्मीना शॉल

राम दरबार की एक तंजौर पेंटिंग

नटराज की एक धातु की मूर्ति

गुजरात की रोगन कला, जिसमें ट्री ऑफ लाइफ को दर्शाया गया है इस संस्करण का एक विशेष आकर्षण भारत के पैरा-एथलीटों द्वारा उपहार में दी गई खेल यादगार वस्तुएं हैं, जिन्होंने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भाग लिया था। ये प्रतीक भारतीय खेल की सहनशीलता, उत्कृष्टता और अदम्य भावना का प्रतीक हैं। वर्तमान में ये वस्तुएं एनजीएमए, नई दिल्ली में प्रदर्शित हैं, जहाँ आगंतुक ऑनलाइन बोली लगाने से पहले उन्हें देख सकते हैं। पिछले वर्षों की तरह, ई-नीलामी से प्राप्त सभी आय 'नमामि गंगे परियोजना' में जाएगी, जो गंगा और उसके ईकोसिस्टम के कायाकल्प, संरक्षण और सुरक्षा के लिए भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है। ई-नीलामी नागरिकों के लिए इतिहास का एक हिस्सा प्राप्त करने का सिर्फ एक अवसर नहीं है, बल्कि एक नेक मिशन में भाग लेने का भी मौका है

'एआई' का उद्देश्य मानवता की सेवा होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

एआई भारत के प्राचीन ज्ञान और ज्ञान प्रणालियों को विश्व तक पहुँचाने के सशक्त माध्यम के रूप में कार्य कर सकता है: लोक सभा अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी का सही उद्देश्य मानवीय अनुभव को समृद्ध बनाना है: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में "फेथ एण्ड फ्यूचर: इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी " विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सदैव मानवता की सेवा करनी चाहिए और इसे मानव को नियंत्रित करने का साधन नहीं बनने देना

चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई आध्यात्मिक ज्ञान और नैतिक उत्तरदायित्व पर आधारित हो, तभी इससे समाज की भलाई हो सकती है।

श्री बिरला ने यह बातें हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में " फेथ एण्ड फ्यूचर : इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी " विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देते हुए कहीं । यह सम्मेलन फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट (अमेरिका) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का वास्तविक उद्देश्य मानव अनुभव को समृद्ध बनाना है, न कि उसका स्थान लेना। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई से कई चुनौतियाँ तो आती हैं, लेकिन इसके साथ ही इससे नए समाधान भी निकलते हैं । नैतिकता और सत्य को भारत की ताकत बताते हुए, श्री बिरला ने इन मूल्यों को विश्व स्तर पर साझा करने का आह्वान किया।

एशिया कप मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान पर आठ रन से जीत हासिल की

बांग्लादेश ने एक महत्वपूर्ण ग्रुप लीग मैच में अफगानिस्तान पर आठ रन से संकरी जीत हासिल की, जिससे एशिया कप सुपर फोर में

उनकी उम्मीदें बरकरार हैं। श्रीलंका से छह विकेट से हारने के बाद, बांग्लादेश को इस जीत की जरूरत थी, जो एक करीबी मुकाबले में सामूहिक प्रयास से हासिल हुई, जहाँ गति अक्सर बदलती रहती थी। आधे समय में, अफगानिस्तान का पलड़ा भारी लग रहा था, जिसने बांग्लादेश को पाँच विकेट पर 154 रन पर रोक दिया था। हालाँकि, वे लड़खड़ा गए और 20 ओवर में 146 रन पर आउट हो गए। अजमतुल्लाह ओमरजई की 16 गेंदों में 30 रन की तेज पारी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के जासपुर में जगत जननी माँ उमिया का दर्शन कर पूजा-अर्चना की

ऐतिहासिक विश्व उमियाधाम के 1551 धर्मस्तंभ पर 9 लाख घनफीट के कंक्रीट राफ्ट के कार्यारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति

गांधीनगर, 16 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर जिले के जासपुर में निर्मित होने जा रहे विश्व उमियाधाम में मंगलवार को 1551 धर्मस्तंभ पर 9 लाख घनफीट के कंक्रीट राफ्ट के कार्यारंभ के साक्षी बने। उन्होंने इस अवसर पर माँ उमिया के नवनिर्मित मंदिर निर्माण का भी निरीक्षण किया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक माँ उमिया का मंदिर 1551 धर्मस्तंभ पर आकार ले रहा है। उसका राफ्ट कास्टिंग लगातार 3 दिनों यानी 72 घण्टोंमें भरा जाएगा।

इस अवसर पर विश्व उमियाधाम के ट्रस्टी, विख्यात अभिनेता विवेक ओबेरॉय, दाता, संनिष्ठ कार्यकर्ता तथा सामाजिक अग्रणी भी मुख्यमंत्री के साथ सहभागी हुए।

सैन्य कार्य विभाग ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया

सैन्य कार्य विभाग (डीएमए) ने स्वच्छता और कार्य कुशलता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता में नवंबर 2024 और अगस्त 2025 के बीच पूरे देश में 350 स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। इस अवधि के दौरान, 40,245 फाइलों की समीक्षा की गई, 15,535 फाइलों का निपटान किया गया और कार्यालयों द्वारा प्रति सप्ताह दो घंटे स्वच्छता गतिविधियों के लिए समर्पित किए गए।

इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान 16,497 सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन, 1,119 आरटीआई अपील, 4,990 केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएमएस) शिकायतें, 1,008 सीपीजीआरएएमएस अपील, 1 प्रधानमंत्री कार्यालय संदर्भ तथा 14 वीआईपी संदर्भों का निपटारा किया गया।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

वड़ोदरा मंडल द्वारा गोधरा यार्ड में एनडीआरएफ संग संयुक्त मॉक अभ्यास का सफल आयोजन

वड़ोदरा रेल मंडल द्वारा सुरक्षा मानकों का आकलन एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की जाँच हेतु आज गोधरा यार्ड की लाइन नं. 2 पर एनडीआरएफ के सहयोग से मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

सुबह 11:12 बजे गोधरा स्टेशन प्रबंधक द्वारा कंट्रोल रूम को सूचना दी गई कि शंटिंग के दौरान दो कोच लाइन नं. 2 पर डिरेल हो गए हैं। सूचना मिलते ही वड़ोदरा से एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट एवं एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन गोधरा के लिए रवाना की गई। तत्पश्चात रेलवे अथॉरिटी, सिविल अथॉरिटी, ठऊफ्क्र रऊफ्क्र फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, फ्ढक्र सिविल डिफेंस एवं स्थानीय अस्पतालों को अलर्ट किया गया।

घटनास्थल पर घायलों के उपचार हेतु टेंट स्थापित किए गए, यूनिफाइड कमांड सेंटर बनाया गया तथा गोधरा स्टेशन व साइट पर हेल्पलाइन बूथ स्थापित किए गए। रेलवे एवं ठऊफ्क्र की टीमों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एटफ्क्र-108 की दो एंबुलेंस भी तैनात थीं।

संयुक्त प्रयासों से 13 काल्पनिक पीड़ितों (11 घायल एवं 2 मृत) को कोच की खिड़की व छत काटकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों एवं मृतकों को सिविल अस्पताल भेजा गया।

मॉक ड्रिल की निगरानी वड़ोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री शरद गौतम एवं ठऊफ्क्र के डिप्टी कमांडेंट श्री संजय ने की। दोपहर 14:30 बजे वड़ोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने बताया कि यह केवल एक अभ्यास था, जिसका मुख्य उद्देश्य आपदा के समय रेलवे एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी एजेंसियों की तत्परता व क्षमता का आकलन करना था। उन्होंने सफलतापूर्वक मॉक ड्रिल संपन्न कराने के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस संयुक्त अभ्यास में रेलवे के ऑपरेटिंग, सेफ्टी, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं टेलिकॉम, मैकेनिकल, सिक्योरिटी, कमर्शियल, मेडिकल विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, साथ ही ठऊफ्क्र पुलिस, मेडिकल व सिविल प्रशासन के अधिकारी एवं स्टाफ शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर महेसाणा-पालनपुर सेक्शन में धारेवाड़ा-छापी स्टेशनों के बीच इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के चलते साबरमती-जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

- 18 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस साबरमती और आबूरोड के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।
- 17 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आबूरोड और साबरमती के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2 अतिरिक्त व्हिल चेयर की सुविधा

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर 2 अतिरिक्त व्हिल चेयर की व्यवस्था की गई है।

वंदे मातरम सेवा संघ की प्रेरणा से श्रीमती कुसुमबेन खांतिलाल शाह (हारीज वाला) हस्ते श्रीमती चंपाबेन दिपकभाई शाह परिवार और श्रीमती मुक्ताबेन जयंतिलाल शेठ (पालिताना वाला) हस्ते श्रीमती अलकाबेन सुबोधभाई सेठ की ओर से यह दोनों व्हिल चेयर भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर दिनांक 16.09.2025 (मंगलवार) को उपलब्ध कराई गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भावनगर डिविजन श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर दो व्हिल चेयर पहले से मौजूद है तथा दो अतिरिक्त व्हिल चेयर प्राप्त हो जाने से अब इनकी संख्या बढ़कर 4 हो गई है।

इस अवसर पर वंदे मातरम सेवा संघ की ओर से श्री किशोरभाई भट्ट, श्री के. डी. शाह, श्री हरदेवसिंह गोहिल, श्री हितेशभाई पारेख, श्री कौशिकभाई अजवालिया, श्री वजुभाई वाला एवं श्री अनिल सिंह (बनारस वाले) उपस्थित थे। रेलवे प्रशासन की ओर से मंडल वाणिज्य निरीक्षक, स्टेशन अधीक्षक, टिकट चेकिंग स्टॉफ सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने वंदे मातरम संघ एवं दानदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर 30 सितंबर, 2025 तक बढ़ाई गई

(जीएनएस)।

वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर चयनित मेधावी छात्रों द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है।

एनएसपी पोर्टल 2 जून 2025 से छात्रों द्वारा आवेदन जमा करने के लिए खुला है। इस परियोजना वर्ष 2025-26 में, चयनित छात्रों को पहले एनएसपी पर एकमुश्त पंजीकरण (ओटीआर) करना होगा, जिसके बाद उन्हें अपने द्वारा चुनी गई छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन करना होगा। एनएसपी पर पंजीकरण के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का विवरण https:// scholarships. gov.in/studentFAQs पर देखा जा सकता है।

शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा क्रियान्वित 'राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना' के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, ताकि प्राथमिक स्तर अर्थात कक्षा आठ के बाद उनकी पढ़ाई बीच में ही छूटने की प्रवृत्ति को रोका जा सके तथा उन्हें उच्चतर माध्यमिक स्तर अर्थात कक्षा बारह तक अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

यह योजना राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति के लिए योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कक्षा 9 के छात्रों को हर साल एक लाख नई छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है। छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर कक्षा 10 से 12 तक नवीनीकरण के माध्यम से छात्रवृत्ति जारी रहती है। यह योजना केवल राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए लागू है और छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 12000 रुपये प्रति वर्ष है।

एनएमएमएसएस का क्रियान्वयन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से किया जाता है - जो भारत सरकार द्वारा छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म है। 30.08.2025 तक, आवेदकों द्वारा 85,420 नए और 1,72,027 नवीनीकरण आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जा चुके हैं।

एनएमएमएसएस छात्रवृत्तियां डीबीटी मोड के बाद सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण द्वारा सीधे चयनित छात्रों के बैंक खातों में वितरित की जाती हैं। छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंडों में माता-पिता की आय 3.50 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होना, छात्रवृत्ति के लिए चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए कक्षा श्क्क की परीक्षा में न्यूनतम 55% अंक या समकक्ष ग्रेड (एससी/एसटी छात्रों के लिए 5% की छूट) शामिल हैं।

एनएसपी पोर्टल पर चयनित विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन के सत्यापन के दो स्तर हैं, स्तर-1 (एल1) सत्यापन संस्थान नोडल अधिकारी (आईएनओ) के पास होता है तथा स्तर-2 (एल2) सत्यापन जिला नोडल अधिकारी (डीएनओ) के पास होता है। आईएनओ स्तर (एल1) सत्यापन की अंतिम तिथि 15.10.2025 है और डीएनओ स्तर (एल2) सत्यापन की अंतिम तिथि 31.10.2025 है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज और अनुग्रह राशि में बढ़ोतरी का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) और अनुग्रह राशि में वृद्धि का शुभारंभ किया।

ये उपाय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "श्रमिक प्रथम" और "श्रमिक कल्याण" की सोच के अनुरूप हैं।

कोल इंडिया की "वी केयर" पहल के तहत खदान दुर्घटना में मृत्यु पर अनुग्रह राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है।

"सुरक्षा हर कर्मचारी की - सुरक्षा में एकजुट, भविष्य के लिए सशक्त" टैगलाइन के तहत कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) का शुभारंभ किया गया, जिससे वित्तीय सुरक्षा मजबूत हुई।

सीएसपी के तहत बीमा कवरेज नियमित कर्मचारियों के लिए 1 करोड़ रुपये और संविदा कर्मचारियों के लिए 40 लाख रुपये प्रदान किया जाता है, जिसमें 2.15 लाख से अधिक नियमित कर्मचारी और 44,000 संविदा कर्मचारी पहले ही नामांकित हैं।

नई वर्दी कोल इंडिया कर्मचारियों के बीच साझा पहचान, व्यावसायिकता और सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देती है।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने आज कोल इंडिया कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) और अनुग्रह लाभों में बढ़ोतरी का शुभारंभ किया। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में, इन पहलों को कोयला श्रमिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण में सुधार पर विशेष ध्यान देते हुए सावधानीपूर्वक डिजाइन और कार्यान्वित किया गया है। ये सभी पहल कर्मचारियों की पहचान को मजबूत करने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और भूमिगत तथा खुली खदानों से लेकर प्रशासनिक कार्यालयों तक, सभी स्तरों पर सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं, जो समावेशी विकास और कार्यबल-केंद्रित नीतियों के प्रति कोल इंडिया की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।

ये उपाय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "श्रमिक प्रथम" और "श्रमिक कल्याण" को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। कोयला श्रमिकों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा गया है। यह दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा में उनके योगदान को सम्मान, संरक्षण और निरंतर समर्थन मिले।

कोल इंडिया ने अपनी "वी केयर" पहल के तहत, खदान दुर्घटना में होने वाली दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में देय अनुग्रह राशि को 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। यह बढ़ा हुआ मुआवजा नियमित कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों दोनों पर समान रूप से लागू होगा और मृतकों के परिवारों को सीधे भुगतान किया जाएगा, जिससे समय पर और पारदर्शी सहायता सुनिश्चित होगी। हालांकि कर्मचारियों को लेकर "शून्य क्षति" मिशन बना हुआ है।

केंद्रीय मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने नई दिल्ली में मेडटेक फोरम 2025 को संबोधित किया

सुलभ, किफायती स्वास्थ्य सेवा और नवाचार के लिए मेडटेक क्षेत्र महत्वपूर्णः श्री जे. पी. नड्डा ने विकसित भारत 2047 विजन को प्राप्त करने हेतु सहयोग का आह्वान किया

ह्मभारत न केवल एक उच्च-मात्रा निमार्ता के रूप में उभर रहा है, बल्कि वैश्विक मेडटेक बाजार में एक उच्च-मूल्यवान देश के रूप में भी उभर रहा हैह्मः केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल

डॉ. विनोद के. पॉल ने चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और विकास, सामर्थ्य तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की परिवर्तनकारी पहलों को रेखांकित किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज नई दिल्ली से एक वीडियो संदेश के माध्यम से 11वें एशिया प्रशांत मेडटेक फोरम (एपीएसीमेड) 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि मेडटेक क्षेत्र भारत में स्वास्थ्य परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने इस क्षेत्र के व्यापक दायरे को रेखांकित किया। इसमें निदान, उन्नत उपकरण, डिजिटल स्वास्थ्य और एआई-संचालित समाधान शामिल हैं - ये सभी स्वास्थ्य सेवा को प्रत्येक नागरिक के लिए अधिक सुलभ, कुशल और किफायती बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा का एक विश्वसनीय प्रदाता बन गया है। इसे पहुँच, नवाचार और बुनियादी ढाँचे के विकास पर सरकार से समर्थन प्राप्त है।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने उन्नत विनिर्माण, जटिल प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के माध्यम से भारत में एपीएसीमेड सदस्यों की बढ़ती उपस्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि फोरम का विषय और एजेंडा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

श्री नड्डा ने इस वर्ष के फोरम के चार विषयगत स्तंभों को रेखांकित किया :

मेडटेक में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत को खोलना

सीमाहीन नवाचार - बेहतर से सफलता की ओर

सभी के लिए मेडटेक - आदर्श प्रदान करना और परिणाम प्राप्त करना

मेडटेक का विस्तार - भारत के मेडटेक भविष्य में निवेश

उन्होंने बताया कि ये स्तंभ एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साझा दृष्टिकोण का सार प्रस्तुत करते हैं, जो नवोन्मेषी, समावेशी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो। श्री नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि अगले दो दिनों के विचार-विमर्श से रणनीतियों को आकार मिलेगा, नए अवसर खुलेंगे और भारत को चिकित्सा प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाने के मिशन को मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने समारोह को संबोधित करते हुए भारत के मेडटेक और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की कई प्रमुख पहलों को रेखांकित किया। इनमें घटक निर्माण को समर्थन देने के लिए एक नई योजना, साझा बुनियादी ढाँचे का विकास, ब्रांडिंग और महत्वपूर्ण बाजार और नैदानिक अध्ययन शामिल हैं।

उन्होंने सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों पर भी बल दिया। इनमें चिकित्सा उपकरणों में शत प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, एक निर्यात संवर्धन परिषद की स्थापना और व्यापार को आसान बनाने और निर्यात के अवसरों को व्यापक बनाने के लिए एक राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण संवर्धन परिषद का गठन शामिल है।

श्रीमती पटेल ने कहा की "भारत न केवल एक उच्च-मात्रा वाले निमार्ता के रूप में उभर रहा है, बल्कि वैश्विक मेडटेक बाजार में एक उच्च-मूल्य वाले देश के रूप में भी उभर रहा है। अगली छलांग सहयोग से आएगी और मैं सभी हितधारकों को भारत के साथ मिलकर ऐसे समाधान बनाने के लिए आमंत्रित करती हूँ जो हमारे 1 अरब 40 करोड़ नागरिकों और उभरते बाजारों की व्यापक स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं दोनों की पूर्ति करेंगे।"

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद के. पॉल ने कार्यक्रम में बोलते हुए चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और विकास, सामर्थ्य और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनकारी उपायों की श्रृंखला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति 2023 को एक ऐतिहासिक कदम बताया, यह समग्र क्षेत्रीय विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करती है। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और विकास और नवाचार नीति, आंध्र मेडटेक जोन की तर्ज पर चिकित्सा उपकरण पार्कों का विकास, उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, और फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने (पीआरआईपी) की शुरूआत। इसे ब्रिक्स योजना के रूप में जाना जाता है और इसके पूरक के रूप में कार्य किया है।

एपीएसीमेड के एशिया प्रशांत क्षेत्र के अध्यक्ष जॉन कॉलिंग्स ने एक एकीकृत आवाज बनाकर देखभाल के मानकों को आगे बढ़ाने के एपीएसीमेड के उद्देश्य को रेखांकित किया। इससे उन्हें बाजार पहुँच बढ़ाने के लिए नियामक मानकों में सामंजस्य स्थापित करने हेतु नीति निमार्ताओं के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है।

16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस दो दिन के फोरम का आयोजन एशिया पैसिफिक मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन द्वारा "स्वस्थ भारत - एक स्वस्थ भारत, साथ मिलकर" थीम के अंतर्गत किया जा रहा है। इस फोरम में एशिया प्रशांत क्षेत्र के 10 से ज्यादा देशों के वरिष्ठ नीति निर्माताओं, वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं, नियामकों और स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया है। इससे प्रधानमंत्री के हेल्थकेयर विजन 2030 और विकसित भारत 2047 के अनुरूप भारत के मेडटेक रोडमैप को आकार देने की रणनीतियों पर चर्चा की जा सके।

2014 में स्थापित और सिंगापुर में मुख्यालय वाला, एशिया पैसिफिक मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (एपीएसीमेड) 350 से ज्यादा अग्रणी चिकित्सा उपकरण कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है और विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नियामक मंच जैसी वैश्विक नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करता है। भारत में, एपीएसीमेड के 40 से ज्यादा सदस्य संगठन उच्च-गुणवत्ता वाले और नवोन्मेषी स्वास्थ्य सेवा समाधानों तक पहुँच बढ़ाने के लिए सरकार और व्यापार संघों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल का ए आई -संचालित होलोबॉक्स 17 सितंबर 2025 को शुरू किया जाएगा

(जीएनएस)।

अत्याधुनिक प्रधानमंत्री संग्रहालय दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र संग्रहालय है। यह संग्रहालय स्वतंत्रता के बाद से भारत के सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन, दृष्टिकोण और योगदान को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय में आने वाले आगंतुकों को इतिहास की एक गहन यात्रा पर ले जाया जाता है। यहाँ उन्हें दुर्लभ कलाकृतियाँ, निजी सामान, अभिलेखीय सामग्री और मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ देखने को मिलती हैं। यह हमारे नेताओं की कहानियों को जीवंत रूप से बयां करती हैं।

नवाचार और नवीनतम तकनीक के उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, संग्रहालय अपनी दीघार्ओं में असाधारण सरदार वल्लभभाई पटेल का एक आदमकद एआई-संचालित होलोबॉक्स - 17 सितंबर 2025 को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। यह अभूतपूर्व एआई-संचालित इंटरैक्टिव होलोबॉक्स दर्शकों के देश के दूरदर्शी लोगों से जुड़ने के तरीके को बदल देगी।

पहली बार आगंतुक देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अति-यथार्थवादी 3ऊ अवतार के साथ जीवंत, इंटरैक्टिव बातचीत कर पाएँगे।

अत्याधुनिक तकनीक के साथ मिश्रित यह अग्रणी पहल एक आकर्षक और शैक्षिक अनुभव प्रदान करती है। यहाँ आगंतुक सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, दर्शन और देश के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों पर प्रश्न पूछ सकते हैं और उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। इस एआई-होलोबॉक्स पहल को आगे बढ़ाते हुए संग्रहालय भविष्य में श्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का एक आदमकद एआई-संचालित होलोबॉक्स प्रस्तुत करने की दिशा में काम कर रहा है। इससे आने वाली पीढ़ियों को उनकी दूरदर्शिता और ज्ञान से प्रेरित किया जा सके।

17 सितंबर की तारीख देश के लिए दोहरा ऐतिहासिक महत्व रखती है। 1948 में इसी दिन ऑपरेशन पोलो की सफलता के साथ हैदराबाद निजाम के शासन से मुक्त होकर भारतीय संघ में शामिल हुआ था - यह उपलब्धि सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण संभव हुई थी। दो साल बाद 17 सितंबर 1950 को श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म हुआ। वह दशकों बाद 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन के अंतर्गत एकता और अखंडता की भावना को और मजबूत करने के लिए समर्पित एक नेता के रूप में उभरे।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय के निदेशक श्री अश्विनी लोहानी ने कहा की "यह एआई-संचालित होलोबॉक्स तकनीकी से कहीं बढ़कर है। यह अतीत और वर्तमान के बीच एक सेतु है - हमारे महान नेताओं के ज्ञान को युवा पीढ़ी के लिए सुलभ और आकर्षक बनाने का एक प्रयास।

सरदार पटेल ने भौगोलिक रूप से भारत का एकीकरण किया। इसके माध्यम से हम देश के युवाओं को उसकी ऐतिहासिक चेतना से जोड़ने की आकांक्षा रखते हैं।"

प्लेनेटेरियम और संग्रहालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजेंद्र चंदन पुगलिया ने कहा की "होलोबॉक्स 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना दशार्ता है—आधुनिक भारत को आकार देने वाले व्यक्ति को श्रद्धांजलि और प्रधानमंत्री मोदी जी के विरासत को उच्च तकनीक के साथ जोड़ने के दृष्टिकोण का प्रतिबिंब। यह अनुभवात्मक इतिहास में एक वैश्विक मानदंड स्थापित करेगा और दुनिया भर में इसी तरह के नवाचारों को प्रेरित करेगा"।

इस दिन एआई होलोबॉक्स का शुभारंभ न केवल भारत के एकीकरण में सरदार पटेल की निर्णायक भूमिका का सम्मान करता है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी जी के विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने के दृष्टिकोण को भी दशार्ता है।

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग ई-कचरा निपटान, स्वच्छता और कार्यस्थल दक्षता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष अभियान 5.0 के लिए तैयार

(जीएनएस)।

भारत सरकार अब 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले विशेष अभियान 5.0 की तैयारी कर रही है, और डीसीपीसी कुशल प्रशासन और स्वच्छ शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। विशेष अभियान 5.0 का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 के अनुसार ई-कचरे के निपटान, स्थान प्रबंधन और क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यस्थल अनुभव को बेहतर बनाना है।

2 अक्टूबर 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक आयोजित विशेष अभियान 4.0, रिकॉर्ड प्रबंधन, शिकायत निवारण, स्क्रैप निपटान और स्वच्छता अभियान में महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत, डीसीपीसी मुख्यालय ने रिकॉर्ड प्रबंधन और सार्वजनिक सेवा वितरण की व्यापक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लियाः

2,443 भौतिक फाइलों की पहचान की गई, जिनमें से 231 की समीक्षा की गई तथा स्थान की क्षमता के आधार पर हटा दिया गया।

इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में 4,656 ई-फाइलें और 5,698 ई-रसीदें पहचानी गईं, जिनमें से 851 ई-फाइलों और 2,881 ई-रसीदों की समीक्षा की गई।

विभाग को तीन जन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का अभियान के दौरान सफलतापूर्वक समाधान किया गया।

आठ संसदीय आश्वासनों (रासायनिक प्रभाग के अंतर्गत पांच और पेट्रोकेमिकल प्रभाग के अंतर्गत तीन) की जांच भी की गई।

अनुपयोगी फर्नीचर, रिकार्ड और अन्य अनावश्यक वस्तुओं को हटाकर सफाई और स्थान अनुकूलन अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल का वातावरण अधिक कुशल और कर्मचारी-अनुकूल हो गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

इजरायल के विरुद्ध मुस्लिम देश

संकट में अब्राहम समझौता भूराजनीति में समय का बहुत महत्व होता है। 15 सितम्बर 2020 से लेकर 2025 में इसी तारीख तक काफी वुछ बदल चुका है। व्हाइट हाउस के गलियारे में 2020 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में अब्राहम समझौते संपन्न हुआ था, जिसके तहत बहरीन और यूएई जैसे इस्लामिक देशों ने इजरायल के साथ आने की सहमति जताई थी। असल में ईसाई, इस्लाम और यहूदी धर्म में अब्राहम ऐसे इंसान है, जिनका समान रूप से सम्मान है। ऐसे में उनके ही नाम पर यह अहम समझौता हुआ था लेकिन मजे की बात तो यह है कि जिस 15 सितम्बर की तारीख को यह समझौता हुआ था उसी दिन इजरायल के खिलाफ 60 इस्लामिक देशों का कतर की राजधानी में जुटान हुआ यानि अब्राहम समझौते का अस्तित्व 5 वर्ष में ही संकट ग्रास्त हो गया। सच तो यह है कि इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा पर पिछले सप्ताह हमला करके हमास नेताओं को ठिकाने लगा दिया था, इसलिए वह यह बात भी भूल गया कि यमन तो दुनिया दो परस्पर विरोधियों का समझौता कराने के लिए मशहूर है। पाकिस्तान, सऊदी अरब, यूएई और मिरत्र सहित 60 देशों ने इजरायल के खिलाफ प्रास्ताव पारित किया। इसके अलावा फिलस्तीन को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रास्ताव लाने की बात हुई। भूराजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि इजरायल ने जिस तरह गाजा में हालात बद से बदतर कर दिए हैं और जब जहां चाहता है वहीं बमों की र्वषात कर देता है, इससे सारे ही इस्लामिक देश बेचैनी महसूस करने लगे हैं। यही कारण है कि जिस अब्राहम समझौते के तहत इस्लामिक देश इजरायल से नजदीकियां बढ़ाने के लिए संभावनाएं तलाश रहे थे, अब सभी एकमत से इस समझौते को भूल कर इजरायल से अपनी जान बचाने की चिन्ता करने लगे हैं। इन इस्लामिक देशों को लगता है कि इजरायल के मौजूदा दृष्टिकोण के रहते अब उससे नजदीकी बढ़ाना नुकसानदेह हो सकता है। अब्राहम समझौते का अहमियत का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इस समझौते के बाद जहां यूएई की कम्पनियों ने इजरायली टेक स्टार्टअप्स में निवेश किया था और गैस व तकनीक से जुड़े क्षेत्रों में पैसा लगाया था, वहीं इजरायल की सैंकड़ों वंपनियों ने यूएई में काम करना शुरू किया था। इजरायल और यूएई के बीच जुलाई 2025 तक 293 मिलियन डालर तक कारोबार पहुंच चुका था। एक आंकलन के मुताबिक यूएई के साथ इजरायल का कारोबार पिछले वर्ष की अपेक्षा 4 प्रातिशत अधिक था जबकि एक और इस्लामिक देश मोरक्को के साथ कारोबार में 32 प्रातिशत की वृद्धि हुई थी। मतलब यह कि इस्लामिक देश तो फिलस्तीन की वजह से इजरायल को दुश्मन मानते रहे हैं। एक वक्त तो ऐसा भी आया कि सात इस्लामिक देशों ने मिलकर एक साथ इजरायल के खिलाफ हमला कर दिया था। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मदद से इजरायल ने सभी शत्रु हमलावरों को न सिर्प हरा दिया बल्कि उनके हौंसले भी पस्त कर दिए। इस्लामिक देशों के मन-मस्तिष्क में इजरायल का डर इस हद तक बैठ गया था कि कोई भी इस्लामिक देश अकेले उससे भिड़ने का साहस नहीं जुटा पाता था। ईंरान ने एच-3 यानि हूती, हिजबुल्ला और हमास का वित्त पोषण करने के लिए अपने बजट की निाति राशि खर्च करने की नीति अपनाईं किन्तु फिर भी वह इजरायल को कमजोर करने की बजाए इतना संघर्षशील बना दिया कि वह सभी आतंकी गुटों से निपटने में खुद को समर्थ पाता था। बहरहाल अब्राहम समझौते के कारण इस्लामिक देशों को इजरायल के साथ मिलकर व्यापार करने का एक बहाना मिला हुआ था। किन्तु जिस तरह इजरायल अब बिना किसी हिचक के इस्लामिक देशों में बम बरसा रहा है, उसी से इस्लामिक देशों को अब इजरायल से दूरी बनाने का बहाना मिल गया है। यही नहीं अब नाटो की तर्ज पर ये सभी इस्लामिक देश अपनी फौजी संगठन बनाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इजरायल यह समझ पाने में असमर्थ रहा कि अब्राहम समझौते से हूती, हिजबुल्ला और हमास तीनों परेशान थे। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा था अब्राहम समझौते को आधार मानकर इस्लामिक देश इजरायल के साथ व्यावसायिक संबंध स्थापित करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न हुआ 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान -2025'

दो दिवसीय सम्मेलन में राज्यों के कृषि मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल, विभिन्न सत्रों में किया गहन विचार-विमर्श

नकली-घटिया खाद-बीज, कीटनाशक किसी भी कीमत पर बिकने नहीं देंगे, बेचने पर होगी सख्त कार्रवाई- श्री शिवराज सिंह चौहान

किसान कॉल सेंटर को प्रभावी बनाने की कोशिश - श्री शिवराज सिंह

किसानों की शिकायतों के समाधान के साथ ही किसानों को पूरा न्याय दिलाएंगे - श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान -2025' केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न हुआ। इसमें राज्यों के कृषि मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिन्होंने विभिन्न सत्रों में कृषि के विकास के लिए गहन विचार-विमर्श किया। इसके समापन सत्र में शिवराज सिंह ने कहा कि नकली या घटिया खाद-बीज, कीटनाशक किसी भी कीमत पर बिकने नहीं देंगे, इन्हें बेचने वालों के खिलाफ कड़ा कानून बनाने की तैयारी की गई है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को इस संबंध में परेशानी से बचाना हमारा दायित्व है, इसके लिए सभी राज्यों का सहयोग आवश्यक है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान कॉल सेंटर को प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है, राज्य स्तर भी इसके लिए असरकारी तंत्र होना चाहिए। श्री शिवराज सिंह ने जोर देकर कहा कि किसानों की शिकायतों के समाधान के साथ ही किसानों को पूरा न्याय दिलाएंगे, हमारे लिए हमारे किसान सर्वोपरि हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अधिकाधिक किसानों को दिलाने के लिए प्रयास करने का अनुरोध भी सभी राज्यों से किया।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में देशभर के कृषि

विज्ञान केंद्रों (केवीके) और राज्यों के कृषि प्रसार के अमले को सुदृढ़ करने की जरूरत है, ये खेती-किसानी को उन्नत करने के लिए अहम माध्यम है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने 3 अक्टूबर से शुरू किए जाने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए सभी राज्यों और कृषि मंत्रियों से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि 'लैब टू लैंड' की संकल्पना को साकार करने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि इस सम्मेलन में दो दिन तक बहुत गंभीरता से मंथन किया गया है, जिसके लिए सभी राज्यों के कृषि मंत्रीगण और सारे अधिकारी बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से रबी फसलों के सीजन में बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

उन्होंने, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को किसानों का हित सुनिश्चित करने के सभी की ओर से धन्यवाद दिया, साथ ही ऐतिहासिक ऋळ सुधारों को गांव-गांव तक पहुंचाने और इसका लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के लिए जुटने का आह्वान भी किया। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने सभी से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अपील पर स्वदेशी अपनाने का अनुरोध भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी, श्री एन. चालुवर्यस्वामी, कृषि मंत्री, कर्नाटक, श्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री बलदेव सिंह औलख, कृषि राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री दिनेश प्रताप सिंह, उद्यान राज्य मंत्री, (स्वतंत्रप्रभार) उत्तर प्रदेश, श्री गेब्रियल डेनवांग वांगसू, कृषि मंत्री, अरुणाचल प्रदेश, श्री राम विचार नेताम, कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़, श्री गुरमीत सिंह खु ड्डियाँ, कृषि मंत्री, पंजाब, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, कृषि मंत्री, राजस्थान, श्री पी.सी वनलालरुआता, कृषि मंत्री, मिजोरम, श्री श्याम सिंह राणा, कृषि मंत्री, हरियाणा, श्री चन्द्र कुमार, कृषि मंत्री, हिमाचल प्रदेश, श्री तुम्मला नागेश्वर राव, कृषि मंत्री, तेलंगाना, श्री राघवजीभाई पटेल, कृषि मंत्री, गुजरात, श्री पूरन कुमार गुरुंग, कृषि मंत्री, सिक्किम, श्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री, बिहार, श्री एदल सिंह कंषाना, कृषि मंत्री, मध्य प्रदेश, सुश्री साल्होतुओनुओ क्रूस, बागवानी मंत्री, नागालैंड सहित कृषि सचिव श्री देवेश चतुवेर्दी, उर्वरक विभाग सचिव श्री रजत कुमार मिश्रा एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट उपस्थित थे।

नवरात्रों के दौरान सौन्दर्य टिप्स : शहनाज हुसैन

देश में त्योहारों का सीजन शुरू होने ही बाला है नवरात्रों से पाबन त्योहारों की शुरूआत मानी जाती है और नवरात्रे कुछ ही दिन बाद शुरू होने बाले हैं

नवरात्रो के बाद दशहरा , धनतेरस, दिवाली, करबा चौथ ,भाई दूज, छठ पूजा, सहित अनेक त्यौहार मनाये जायेंगे नवरात्रों के दौरान महिलाओं को डांडिया , गरबा डांस ,दुर्गा पूजा पंडालों सहित अनेक सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओं को परिवार सहित शिरकत करनी पड़ती है जहां काफी संख्या में जान पहचान के लोग रिश्तेदार इकठा होते हैं और इन पवित्र मौकों पर महिलायें भक्ति मय ,मस्ती ,जोश , उमंग से परिपूर्ण अपने सबसे सुन्दर और आकर्षक ब्यक्तित्व में दिखना चाहेंगी तो जाहिर है की इन त्योहारों की धूम के बीच महिलाएं सबसे खूबसूरत दिखना पसन्द करती हैं

नबरात्रों में मौसम तेजी से करबट लेता है और इस मौसम में ठण्ड तेजी से बढ़ना शुरू हो जाती है। ऐसे में बाताबरण में तापमान गिरने से नमी में कमी आ जाती है और त्वचा से जुडी अनेक सौन्दर्य समस्याएं खड़ी हो जाती हैं नवरात्रों में ज्यादातर महिलाएं ब्रत रखती हैं तथा अपनी ब्यस्तताओं की बजह से सही समय पर उचित फलाहार आदि नहीं ले पाती जिससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और चेहरा बुझा बुझा सा दिखने लगता है

लेकिन अगर आप अपनी सभी ब्यस्तताओं को निभाते हुए भी अपनी आभा और आकर्षण बरकरार रखना चाहती हैं तो आपको कुछ घरेलू उपाय करने होंगे

हमेशा यह ध्यान रखें की अगर आपका उत्सव खुले में आयोजित किया जा रहा है तो तो मात्र बेसिक तक ही सीमित रहें तथा हलके मेक अप पर भरोसा करें क्योंकि ज्यादा मेक अप गर्मी उमस या मौसम की मार से पिघल कर फैल जाएगा और आपका मूड खराब हो सकता है तथा आप उत्सव का पूरा आनन्द नहीं उठा पाएंगी उत्सव खुले में शिरकत करने जाती बार आप प्राइमर , फाउंडेशन या कन्सीलर ,आई मेक अप तथा सामान्य लिपस्टिक तक सीमित रखिये जिससे आप का मेक अप खराब न हो तथा आप उत्सव का भरपूर आनन्द उठा सकें

नवरात्रा के पाबन त्यौहार में अगर आप किसी पार्टी उस्तव या गरबा डांस में जा रही हैं तो केबल वाटर प्रूफ मेक अप पर केन्द्रित रहें बाताबरण में गर्मी तथा डांस से शरीर के तापमान में बढ़ोतरी से आप का मेक अप खराब हो सकता है तथा वाटर प्रूफ मेक अप से आई लाइनर ,लिपस्टिक ,फॉउंडेशन बनी रहेगी तथा आप उत्सव का आनन्द उठा सकेंगी

अगर आप परम्परागत स्कर्ट के साथ बैकलेस ब्लाउजचोली पहन कर किसी उत्सव , गरबा या डांडिया में जा रही हैं तो अपनी पीठ पर वैक्स या पोलिश करवाना कभी मत भूलियेगा लेकिन पीठ पर वैक्स या पोलिश उत्सव से कुछ दिन पहले करबा लीजिये ताकि अगर किसी किस्म के फोड़े , फुन्सी आदि की समस्या आये तो उसका समय रहते उपचार कर लिया जाये

आप उत्सव , गरबा या

डांडिया में नाचने जा रही हैं या महज दर्शक बन कर उठाना चाहती हैं लेकिन दोनों ही मामलों में हलकी फाउंडेशन का उपयोग करें क्योंकि आपको पसीना आते ही भारी फाउंडेशन पिघलनी शुरू हो जाएगी और आपका मजा किरकिरा हो जायेगा

यदि आप हर रात्रि गरबा डांस एन्जॉय करना चाहती हैं तो आप को अपनी आँखों पर बिशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि आपकी आँखों में सूजन पफीनेस न आ जाये आँखों की सुन्दरता के लिए प्रीतिदिन आठदस घण्टे की नीन्द जरूर सुनिश्चित करें

अपने चेहरे या त्वचा पर मेक अप लगाने से पहले कुछ साबधानियाँ बरतेंगे तो आप का मेक अप आपकी त्वचा के अनुरूप आपके सौन्दर्य को निखारने में अहम भूमिका अदा करेगा जिससे आप सभी नौ नवरात्रों में खिली खिली नजर आएँगी त्वचा की टोनिंग क्लींजिंग प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है अच्छी टोनिंग से त्वचा पर जमे तैलीय पदार्थ , गन्दगी ,अबशेष आदि को हटाने में मदद मिलती है जिससे त्वचा को कोमल , पौषित , नमीयुक्त रखा जा सकता है तथा त्वचा का पी एच सन्तुलन बरकरार रहता है

अपने चेहरे की सुन्दरता के साथ ही अपने हाथ के नाखूनों और पाँवों पर जरूर ध्यान दीजिये नवरात्र शुरू होने से पहले मैनीक्योर व पेडीक्योर जरूर करवा लें अगर किसी बजह से आप सैलून जाने से कतरा रही हैं तो घर बैठे ही निम्बू जूस और चीनी के मिश्रण से अपने हाथों , पाँवों और टांगों की रगड़ कर मालिश कर लीजिये

त्योहारों की दौड़ धूप के बीच पर्याप्त पानी ,जूस या सूप लेना जरूर याद रखें क्योंकि गहमा गहमी के बीच आप के शरीर में नमी में कमी आ सकती है जिससे आपकी त्वचा शुष्क हो सकती है और आप थकी थकी से दिखने लगेंगी डांडिया डांस में त्वचा की चमक बरकरार रखने में पर्याप्त तरल पदार्थ लिक्विड बहुत जरूरी होता है नारियल पानी ,निम्बू पानी , ताजा पानी , ताजा जूस आपको तारो ताजा रखेगा जिससे आपको थकबाट महसूस नहीं होगी और आप की त्वचा प्रकृतिक तौर पर खिली रहेगी आप अपने साथ कंसन्ट्रेटे निम्बू जूस , चीनी , काला नमक और काली मिर्च पाउडर रखिये तथा ब्रेक के दौरान इसमें अपने स्वाद के अनूरूप पानी मिलाकर चुस्की लगा कर आहिस्ता आहिस्ता पी लीजिये इससे आप के शरीर में नियमित ऊर्जा का संचार होगा तथा आपका स्वास्थ्य और आपकी मूड दोनों ही जोश उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे

पाँवो आपके जीवन का आधार होते हैं गरबा में आप दिल खोल कर जब नाचेंगी तो इसमें आपके पाँवों की सेहत और मजबूती दोनों ही बहुत जरूरी होती हैं अगर आप को सभी नौ दिन डांस करना है या समाजिक , धार्मिक उत्स्बों में सक्रिय हिस्सेदारी करनी है तो आप प्रतिदिन पाँवों पर जरूर ध्यान दीजिए अन्यथा कहीं आपके पाँवों ही जबाब न दे जाएँ

पांवों में थकाबट की बजह से होने बाली दर्द को कम करने और पाँवों को तरो ताजा रखने के लिए रोजाना सोने से पहले पांवों की मालिश बहुत जरुरी है

आधे टब गर्म पानी मे आधा कप बेकिंग सोडा , थोड़ा सा सैंधा नमक , एक कप एप्पल साइडर तथा कुछ बूंदें लैवेंडर तेल डाल कर अपने पाँवों को इस मिश्रण में कुछ देर तक टब में रहने दीजिये तथा उसके बाद पाँवों को साफ कॉटन से साफ कर लीजिये इससे आपके पाँव तरो ताजा ,मुलायम और सुद्दह रहेंगे

इस त्यौहार में दौरान अपनी प्राकृतिक आभा एवं सौंदर्य बनाए रखने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा को साफ करें तथा उस पर तरल मॉइस्चराइजर लगा लीजिए। तैलीय त्वचा के लिए कॉटनवूल की मदद में चेहरे पर अस्ट्रिजन्ट लोशन लगा लीजिए तथा कुछ मिनट तक इंतजार करने के बाद चेहरे के दाग धब्बों को फांउडेशन लगाने से पहले संगोपक से ढक लीजिए या धब्बों पर हल्के रंग का फाऊंडेशन लगाए तथा उसके बाद पूरे चेहरे पर सामान्य फाऊंडेशन का उपयोग करें। यदि आप कोई मुहांसा या काला धब्बा कवर करना चाहते है तो उसे फांउडेशन के उपयोग से पहले ढक लें।

चेहरे पर फाउंडेशन लगा कर इसे गीले स्पंज से या ऊंगलियों की मदद से चेहरे तथा गर्दन पर पूरी तरह मिला लें। फाऊंडेशन को स्थिर करने के लिए खुला पाऊडर उपयोग में लाएं फाउंडेशन को मटमैले टोन से उपयोग करें न कि गुलाबी टोन से। मेरी राय में भारतीय त्वचा पर मटमैला रंग काफी जंचता है। यदि आपकी त्वचा अत्यध्कि गोरी है तो गुलाबी रंगत वाली मटमैली टोन का उपयोग करें। यदि आपकी त्वचा निखरी है लेकिन इसमें पीलापन है तो उस दशा में गुलाबी रंगत वाली टोन का उपयोग न करें बल्कि बिस्कुट रंगत को टोन का उपयोग करें। सांवले रंग में भूरे रंग की टोन उपयुक्त है। मेरे विचार में ज्यादातर भारतीय त्वचा के रंग पीले की अपेक्षा मटमैले तथा बिस्किट फाउंडेशन में ज्यादा आकर्षक दिखते है।

नवरात्रों में पावन त्यौहारों में आप गोल्ड फाउंडेशन का उपयोग भी कर सकती है। इसे चेहरे पर लगाईए तथा गीले स्पंज से पूरे चेहरे पर धूमा दीजिए ताकि त्वचा को सुनहरी रंगत दी जा सके। जब भी आप मेकअप करे तो उसे जरूरत से ज्यादा न लीपें तथा न ही जयादा रंगड़े। फाउंडेशन या ब्लशर में उसे स्पर्श से उंगलियों के उपयोग से लगाना ही बेहतर होता है। इसे गीले स्पंज से भी हल्के तरीके से पूरे चेहरे पर लगाया जा सकता है।

गालों पर हल्के बल्शर का प्रयोग किया जाना चाहिए तथा पाऊडर ब्लशर का उपयोग आसानी से किया जा सकता है तथा उसे पाऊडर लगाने के बाद प्रयोग करें। इसे गालों पर लगाने के बाद ऊपरी तथा नीचली तरफ सहजता धीरे-धीरे लगाऐ।

उसके बाद गालों पर हल्के रंग हाईलाइटर का प्रयोग करें तथा इसे पूरी तरह त्वचा पर मिला लें।

रात्रि में ब्लशर के रंगों का होंठों के रंगों के अनूकूल होना जरूरी नहीं है यदि आपने नारंगी लिपस्टिक लगाई है तो नारंगी व्लशर का प्रयोग न करें। निखरी त्वचा के लिए गुलाबी तथा लाल ब्लशर का प्रयोग करें। यदि आपकी त्वचा में पीलापन है तो नारंगी ब्लशर के उपयोग से परहेज करें । गेहूएं रेग की त्वचा के लिए गुलाबी, मुंगिया, कांस्य रंग अत्याधिक लाभदायक हो सकते है तथा सांवले रंग के लिए आलू बुखारा, गहरा लाल रंग तथा कांस्य रंग सबसे ज्यादा उपयुक्त साबित होगा।

रात को सोने से पहले अपना मेक अप ज्वेलरी उतारना न भूलें ज्वेलरी पर दिन भर की जमा धूल मिट्टी को हटाने के लिए ज्वेलरी को धो कर साफ कपड़े से पौंछ दें ताकि किसी एलर्जी से बचा जा सके मेक अप को बेबी आयल की मदद से आहिस्ता से हटाएँ तथा प्रभाबित त्वचा पर आइस मलें त्वचा पर वर्जिन नारियल तेल की मालिश बहुत लाभदायक होगी

लेखिका अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है।

ट्रंप की पीएम मोदी से बातचीत से भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी

(जीएनएस)।

मंगलवार को, त्रवरत्र के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया, मोदी के 75वें जन्मदिन से पहले उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस इशारे से दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में संभावित पुनसंयीजन की उम्मीद जगी है। तनाव तब पैदा हुआ जब त्रवरत्र ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। मोदी ने ट्रम्प की भावनाओं को व्यक्त करते हुए, भारत- त्रवरत्र साझेदारी को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ट्रम्प और मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

सोशल मीडिया पोस्ट में, मोदी ने यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की दिशा में ट्रम्प की पहल का समर्थन व्यक्त किया। ट्रम्प ने मोदी के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह कॉल नई दिल्ली में भारत और त्रवरत्र के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के संबंध में बातचीत के एक नए दौर के साथ हुई।

मोदी ने ट्विटर, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर ट्रम्प को उनकी हार्दिक जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और भारत- त्रवरत्र व्यापक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ट्रम्प की कॉल मोदी के जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले आई, जो त्रवरत्र द्वारा भारतीय वस्तुओं पर बढ़े हुए टैरिफ लगाने के बाद उनकी पहली सीधी बातचीत थी।

डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना करने के फैसले के बाद, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद से संबंधित अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है, नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण रहे हैं। भारत ने इन कार्यों को अनुचित और अनुचित बताया है।

हाल के हफ्तों में, व्हाइट हाउस व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत के खिलाफ, विशेष रूप से रूस

के साथ उसके ऊर्जा संबंधों के बारे में, सख्त भाषा का इस्तेमाल किया है। भारत ने रियायती रूसी तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए, राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता को इसके प्रेरक कारकों के रूप में उद्धृत किया है।

दिन में पहले, भारत और त्रवरत्र ने व्यापार पर एक नए दौर की चर्चा की। भारत में त्रवरत्र दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपनी द्विपक्षीय व्यापार वातार्ओं के अगले कदमों पर विचार-विमर्श किया। सहायक त्रवरत्र व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने 16 सितंबर को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के साथ रचनात्मक बातचीत की।

व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने का निर्णय, ट्रम्प की भारत और त्रवरत्र के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के बारे में हालिया टिप्पणियों पर मोदी की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद आया था। ट्रम्प ने जल्द ही मोदी से बात करने और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की उम्मीद जतायी।

मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और त्रवरत्र स्वाभाविक भागीदार हैं, दोनों पक्षों की टीमें व्यापार समझौते पर बातचीत को समाप्त करने के लिए लगन से काम कर रही हैं। पिछले कुछ महीनों में कई दौर की बातचीत के बावजूद, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में तीखे मतभेदों के कारण एक समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

सोशल मीडिया पर मोदी और ट्रम्प के बीच का आदान-प्रदान दोनों देशों द्वारा अपने संबंधों को सुधारने के व्यापक प्रयासों का एक हिस्सा माना जाता है। राजनयिक संचार जारी रहने के साथ, दोनों देश रचनात्मक संवाद और सहयोग के माध्यम से चुनौतियों पर काबू पाने और अपनी साझेदारी को मजबूत करने का लक्ष्य रखते हैं।

क्षतिग्रस्त सिग्नल केबल सभी क्षेत्रों में रेलवे सुरक्षा और संचालन के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं

(जीएनएस)।

भारतीय रेल ने अपने सभी जोनों को एक चेतावनी जारी की है, जिसमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के दौरान बढ़ी हुई सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया है। रेलवे बोर्ड ने रेखांकित किया कि सिग्नल और दूरसंचार केबलों को नुकसान पहुंचाने से महत्वपूर्ण सुरक्षा खतरे पैदा होते हैं और इससे ट्रेन संचालन बाधित हो सकता है, जिसके संभावित रूप से गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

सिग्नल केबल क्षति से रेलवे सुरक्षा को खतरा

हाल ही में एक संचार में, रेलवे बोर्ड ने सभी जोनों को संबोधित करते हुए चल रही विस्तृत बुनियादी ढांचा, सुरक्षा और विश्वसनीयता वृद्धि परियोजनाओं का उल्लेख किया। इनमें ट्रैक का दोहरीकरण, यार्ड का पुनर्गठन, बाउंड्री वॉल का निर्माण और लिमिटेड हाइट सबवे (छ्लर), ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (अइर) और कवच जैसी प्रणालियों को लागू करना शामिल है। हालाँकि, इन गतिविधियों के दौरान केबल क्षति की बार-बार घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिससे सिग्नल फेल्योर और परिचालन व्यवधान हो रहे हैं।

सुरक्षा चिंताएं और निर्देश

बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि केबल क्षति के कारण बार-बार सिग्नल फेल्योर होना ट्रेन सेवाओं की सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए खतरा है। रेलवे ट्रैक के साथ सिग्नल और दूरसंचार केबलों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा निर्देश जारी करने के बावजूद, केबल कटने की रिपोर्ट आना जारी है। बोर्ड ने कई निवारक उपायों की सिफारिश की है, जिसमें खुदाई से पहले उपयोगिता को स्थानांतरित करना, विभागों के बीच उचित समन्वय और सभी जोनों को परिचालित एकीकृत केबल रूट प्लान का पालन करना शामिल है।

पिछला संचार और वर्तमान चुनौतियाँ

2023 में, रेलवे बोर्ड ने बुनियादी ढांचे के काम के लिए एहतियाती उपायों को रेखांकित करते हुए सभी जोनों को कई लिखित संचार जारी किए। हालाँकि, अधिकारियों ने इन निदेर्शों का लगातार पालन नहीं किया है, जिसके परिणामस्वरूप सिग्नल केबल क्षति के कई मामले सामने आए हैं। कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम और आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना जैसी चल रही परियोजनाओं के साथ, अधिकारियों को सावधानी बरतनी चाहिए।

सुरक्षा प्राथमिकताओं पर आधिकारिक बयान

एक अधिकारी ने नियमित ट्रेन संचालन के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का काम करने की चुनौती को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त निर्देश और सुरक्षा उपाय मौजूद हैं और उन शॉर्टकट से बचने की चेतावनी दी जो गंभीर परिणाम ला सकते हैं।

एलडीए का नया मंत्र, विकास नहीं, विनाश की गंगा बहाएंगे!

एलडीए जोन-6 में ढोल बज रहा है, विकास का नहीं, विनाश का!

मोहम्मद सैफ,

लखनऊ, नवाबों का शहर, अब अवैध निमार्णों का गढ़ बन चुका है। और इसका सारा श्रेय जाता है हमारे लखनऊ विकास प्राधिकरण के कर्मठ, जुझारू, और जेब गर्म करने में माहिर अवर अभियन्ता और अधिकारियों को! ये वो लोग हैं, जो लाखों का वेतन तो सरकार से उठाते हैं, मगर काम करते हैं बिल्डरों की जेबें भरने का। इनके नियम का मंत्र है, तुम शिकायत करो, हम फर्जी निस्तारण करेंगे, तुम जागरूक बनो, हम जेबें भरेंगे!

एलडीए प्रवर्तन जोन-6, खासकर अमीनाबाद, अब भ्रष्टाचार का तीर्थ बन गया है। यहाँ की गलियों में अवैध निर्माण की ऊँची-ऊँची बिल्डिंगें चीख-चीखकर कह रही हैं, हमें नियमों की परवाह नहीं, हमारे पास एलडीए प्रवर्तन जोन-6 अवर अभियंता अंगद हैं!

गुईन रोड का ताजा किस्सा तो सुनिए। इस निर्माण को पूर्व अवर अभियंता दीक्षित ने सील किया था। मगर नए अभियंता महोदय, जो शायद जेब गर्म करने के विश्व रिकॉर्ड की तैयारी में हैं, उस सील को खोलकर बिल्डर को फिर से निर्माण का लाइसेंस दे दिया। और अगर कोई जागरूक नागरिक शिकायत करने की हिम्मत करता है, तो उसे जवाब मिलता है, अरे भाई, तुम क्यों परेशान हो? हम तो फर्जी निस्तारण करेंगे, तुम अपना काम करो, हमें अपनी जेबें भरने दो! वाह, क्या शानदार तजुर्मा है विकास का!

एलडीए के इन जेई ने बिल्डरों के साथ ऐसी यारी गांठ ली है कि मानो वे चांद का टुकड़ा हों, जिसे छूना तो दूर, देखना भी मना है। अभियंता महोदय, जनता का गुस्सा चांद का टुकड़ा नहीं, बल्कि ज्वालामुखी है, जो एक दिन फटेगा! प्रवर्तन जोन-6 के अवर अभियन्त कंपाउंडिंग की आड़ में अवैध निर्माण का पूरा बाजार चला रहे हैं। अमीनाबाद में बिना पार्किंग की व्यावसायिक मार्केट ने ट्रैफिक जाम को कला का रूप दे दिया है। घनी आबादी में लोग पहले ही जाम से त्रस्त हैं, ऊपर से ये अवैध बिल्डिंगें स्थानीय लोगों की नाक में दम कर रही हैं। और हमारे अधिकारी? वे तो नोटिस भेजने का ड्रामा करते हैं और फिर बड़े प्यार से कहते हैं, अब क्या मैं डंडा लेकर वहाँ बैठूंगा? अरे साहब, डंडा तो जनता आपके लिए तैयार कर रही है!

मुख्यमंत्री पोर्टल? वो तो अब शिकायतों का कब्रिस्तान बन चुका है। यहाँ शिकायतें दफन होती हैं, निस्तारण नहीं। मुख्यमंत्री के आदेश भी इन अधिकारियों के लिए कागज के टुकड़े से ज्यादा कुछ नहीं। खुलेआम डंके की चोट पर कहते हैं, हम भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं! और क्यों न कहें? जब वीसी साहब भी इनके साथ हैं, तो ये डरें किससे? ये तो विकास की गंगा नहीं, विनाश की गंगा बहा रहे हैं। और इस गंगा में बिल्डर अपने सारे पाप धो रहे हैं, जबकि जनता बस किनारे खड़ी तमाशा देख रही है। एलडीए का ढोल अब पूरे लखनऊ में बज रहा है, मगर यह विकास का ढोल नहीं, विनाश का राग अलाप रहा है।

बलरामपुर के पैरामेडिकल कर्मचारियों को नहीं मिला एसीपी

- चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के जिलाध्यक्ष ने निदेशक को पत्र भेजकर एक सप्ताह में एसीपी निस्तारित की मांग की

लखनऊ

बलरामपुर अस्पताल के पैरामेडिकल स्टाफ को एसीपी का लाभ नहीं मिल सका है। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य महानिदेशक के निर्देश पर पूरे प्रदेश के अस्पतालों में कार्यरत कर्मचारियों को एसीपी का लाभ मिल चुका है, लेकिन सिर्फ बलरामपुर अस्पताल में ही एसीपी देने में देरी की जा रही है। एसीपी न मिलने से कर्मचारियों में आक्रोश है।

चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उप्र. के जिलाध्यक्ष कपिल वर्मा ने बलरामपुर की निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षिका को पत्र भेजकर कर्मचारियों को तुरंत 10, 16 और 26 साल की सेवाएं पूरी करने पर प्रथम, द्वितीय और तीसरे एसीपी का लाभ दिए जाने की मांग की है। कपिल ने बताया कि फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन को बलरामपुर अस्पताल में एसीपी नहीं दिया गया है, जबकि स्वास्थ्य महानिदेशक के निर्देश पर पूरे प्रदेश के अस्पतालों के पैरामेडिकल कर्मचारियों को एसीपी का लाभ मिल चुका है। बलरामपुर में अगस्त में निदेशक ने एसीपी देने का निर्देश मातहत बाबू को दिया था, लेकिन सिर्फ बलरामपुर अस्पताल में ही कर्मचारियों को एसीपी नहीं दिया गया है। एक सप्ताह में एसीपी निस्तारित करने की मांग की है। निदेशक डॉ. कविता आर्या का कहना है कि एसीपी देने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही कर्मचारियों को एसीपी का लाभ दे दिया जाएगा।

पंजाब से लौटे फैजुल हसन खान का लखनऊ में स्वागत :- मुर्तजा अली

लखनऊ। आज राजधानी के रफ़्तार मीडिया कार्यालय में एक विशेष बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता रफ़्तार मीडिया उत्तर प्रदेश हेड शाहिद सिद्दीकी ने की। बैठक में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष फैजुल हसन खान मुख्य रूप से शामिल हुए।

फैजुल हसन खान हाल ही में पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार 12 दिन तक राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रहने के बाद लखनऊ लौटे हैं। बैठक में उन्होंने टीम लखनऊ के साथ अपने अनुभव साझा किए और स्पष्ट किया कि पंजाब में अब भी बड़े पैमाने पर राहत सामग्री और इंसानी मदद की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर यह भ्रामक प्रचार (प्रोपेगंडा) फैलाया जा रहा है कि अब मदद की आवश्यकता नहीं है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। वहाँ के लोग अब भी हमारी तवज्जो और मदद के मोहताज हैं।

इस अवसर पर रफ़्तार मीडिया और टीम लखनऊ ने फैजुल हसन खान और उनकी टीम की इंसानी सेवाओं की सराहना की और धन्यवाद अदा किया। वहीं, फैजुल हसन खान ने भी टीम का हौसला बढ़ाते हुए अपील की कि समाजसेवा के इस सिलसिले को आगे भी जारी रखा जाए।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश हेड बनने के बाद से ही शाहिद सिद्दीकी की अगुवाई में रफ़्तार मीडिया अपने पत्रकारिता दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस बैठक में टीम लखनऊ संस्थापक सदस्य मुर्तजा अली, वामिक खान, कुदरतुल्लाह खान, जुबैर अहमद, अब्दुल वाहिद और कैफ इमरान खान सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

वक़्फ संशोधन कानून पर गहराया विवाद, IUML ने SC के फैसले को बताया अधूरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक़्फ संशोधन अधिनियम पर दिए गए अंतरिम फैसले ने मुस्लिम समुदाय के बीच नई बहस छेड़ दी है। जहाँ एक तरफ कुछ लोग इस फैसले को राहत मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) की उत्तर प्रदेश इकाई ने इस पर गहरी आपत्ति जताई है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मतीन खाँ ने इस फैसले को अधूरा और असंतोषजनक बताया है, जिसके कारण मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक और धार्मिक अधिकारों पर मंडराता खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

डॉ. मतीन खाँ ने अपने बयान में कहा, सर्वोच्च न्यायालय ने यद्यपि कुछ धाराओं पर रोक लगाई है, लेकिन संविधान की मूल भावना से टकराने वाली अनेक अन्य धाराएँ अब भी लागू हैं। उनके अनुसार, यह स्थिति वक़्फ संपत्तियों के अस्तित्व और मुस्लिम समाज की धार्मिक स्वतंत्रता के लिए एक गंभीर चुनौती है।

उन्होंने इस पूरे संशोधन कानून को वक़्फ संपत्तियों को कमजोर करने और उन्हें हड़पने की एक बड़ी साज़िश का हिस्सा बताया है। उनका मानना है कि अदालत द्वारा पूरे अधिनियम पर रोक न लगाने से सरकार को इसका दुरुपयोग करने का मौका मिलेगा, जिससे समुदाय की आशंकाएँ और गहरी हो गई हैं।

डॉ. मतीन खाँ ने स्पष्ट किया कि क्वटछ उत्तर प्रदेश इस अन्यायपूर्ण कानून के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीकों से तब तक चलेगा, जब तक उनकी माँगें पूरी नहीं हो जातीं। इस विवाद ने वक़्फ संपत्तियों की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे संवेदनशील मुद्दों पर एक बार फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है, और आने वाले समय में यह मुद्दा और भी गहरा सकता है।

पितृपक्ष के समापन पर सर्य ग्रहण से दुर्लभ संयोग, श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण से करें पितरों को विदा

महंत विशाल गौड़

रविवार 7 दिसंबर चन्द्र ग्रहण से हुआ पितृपक्ष-25 का समापन सूर्य ग्रहण से 21 को होगा। ऐसा दुर्लभ संयोग एक शताब्दी बाद हुआ है। कोतवालेश्वर महादेव मंदिर के महंत विशाल गौड़ का कहना है कि पितृपक्ष में दूसरा ग्रहण दुर्लभ संयोग है। श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण से पितरों को विदा करें। ज्योतिष गणना के अनुसार सर्व पितृ अमावस्या यानी 21 सितंबर को साल का दूसरा और अंतिम सूर्य ग्रहण लगेगा। यह ग्रहण भारत में बिल्कुल नहीं दिखाई देगा। इसके लिए सूतक भी मान्य नहीं होगा। सूर्य ग्रहण देर रात 10 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगा जो भारत में सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगा।

महंत ने कहा पितृ पक्ष में पितरों के निमित्त श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण किये जाते है, पीपल के पेड़ पर जल और काले तिल चढ़ाएं घर के दक्षिण दिशा में पितरों की तस्वीर लगाकर उनका सम्मान करें तथा नियमित रूप से शिवलिंग पर जल और काले तिल चढ़ाएं, पितरों के नाम पर भोजन और दान-दक्षिणा करें और पितृ स्तोत्र का पाठ कर विदा करें।

श्राद्ध पक्ष को भावना-प्रधान के साथ क्रिया-प्रधान भी माना जाता है। मन में पितरों को याद करना और उनके लिए भक्ति भाव रखना अलग है, लेकिन उसके साथ कर्म करना भी अतिआवश्यक है इसलिए पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म करने से ही पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अपने पितरों को याद करते हुए उनकी पसंद का भोजन बनाकर उनको भोग लगाये, उनके नाम से दान करें और ब्राह्मणों को भोजन कराये। सूर्य ग्रहण में सूतक काल में बिना विघ्न के पितरों का श्राद्ध कर हम अपने जीवन में खुशहाली ला सकते है। ऐसा ग्रंथो में कहा गया है कि अगर हमारे पितृ हमसे प्रसंन्न रहेगें तो वह भगवान से हमारी उन्नति और समृद्धि की कामना करते है जिसका लाभ निश्चित ही हमको इसी लोक में मिलता है। महंत ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान 15 दिनों तक पितृ पृथ्वी पर आते हैं. पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। सही से श्राद्ध न करने से पितरों की आत्मा को मुक्ति नहीं मिलती हे। पितृपक्ष में किया गया दान ही सर्वश्रेष्ठ दान माना गया है। इस दौरान पूजा-पाठ करना और पितरों का स्मरण करना भी शुभ होता है। श्राद्ध पक्ष को भावना-प्रधान के साथ क्रिया-प्रधान भी माना जाता है। मन में पितरों को याद करना और उनके लिए भक्ति भाव रखना उसके साथ अच्छा कर्म करना भी आवश्यक है। इसलिए पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म करने से ही पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पितृ पक्ष के अंतिम दिन सर्वपितृ अमावस्या है, यह पितृपक्ष का समापन दिवस है। इस दिन साल का आखिरी ग्रहण भी लगने वाला है। यह ग्रहण चूकि भारत में नही दिखाई देगा इसलिये जो लोग सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध कर्म करेंगे, उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। पितरों को जल देने से पहले सूर्य देव को पूर्व दिशा में अक्षत और रोली मिलाकर जल दें। फिर जल में जौ मिलाकर उत्तर दिशा की ओर सप्तऋषियों को जल दें। ऋषियों को जल देते समय जनेउ कंठी में धारण करना चाहिए। इसके बाद दक्षिण दिशा की ओर मुख करके तिल के साथ अपने पितरों को जल दें।

माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने आई-टीईके के मुख्यालय में किया 'पाञ्चजन्य एक्सपीरियंस सेंटर' का उद्घाटन

माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने i-TEK के मुख्यालय में किया 'पाञ्चजन्य एक्सपीरियंस सेंटर' का उद्घाटन

i-TEK मना रहा है RFID और IoT में उत्कृष्टता के 25 साल पूरे होने का जश्न

16सितंबर, 2025: (जीएनएस)। इन्फोटेक सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (i-TEK) भारत में RFID और कङ्ख्ळ सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने में सबसे आगे है, जिसने पुणे स्थित अपने मुख्यालय में बहुत ही भव्य समारोह के आयोजन के साथ अपनी रजत जयंती मनाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी जी, तथा पूर्व थल सेनाध्यक्ष, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त)जनरल मनोज पांडे ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस समारोह में उद्योग जगत, शिक्षा जगत, सरकार और मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों के साथ-साथ i-TEK के मूल्यवान ग्राहक एवं भागीदार साझेदार भी शामिल हुए, तथा सभी ने एकजुट होकर कंपनी के इनोवेशन एवं देश के लिए योगदान के 25 वर्षों के शानदार सफर का जश्न मनाया।

25 साल पहले पुणे में एक छोटे-से स्टार्टअप के रूप में अपने सफर की शुरूआत करने वाला i-TEK, आज RFID सिस्टम एवं सॉल्यूशंस में भारत के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक बन गया है। कंपनी ने राष्ट्रीय स्तर पर कई तकनीकी बदलावों में अहम भूमिका निभाई है, जिसमें फास्टैग की शुरूआत में अग्रणी भूमिका निभाने से लेकर 105 बंदरगाहों और अंतदेर्शीय कंटेनर डिपो में निर्यात को सुरक्षित बनाने वाले RFID पर आधारित कंटेनर eSeÔls की शुरूआत करना शामिल है, और आज भारत के हर दूसरे वाहन में,-ळएड द्वारा निर्मित फास्टैग लगा है। कंपनी के सॉल्यूशंस ने रिटेल और वेयरहाउसिंग में भी बड़ा बदलाव लाने में योगदान दिया है, क्योंकि अब इन्वेंट्री का समय कई महीनों से घटकर बस कुछ दिनों हो गया है। इतना ही नहीं, कंपनी द्वारा पेश किए जाने वाले समाधान लॉजिस्टिक्स, तेल एवं गैस, खनन, उपयोगिता वस्तुओं तथा विनिर्माण जैसे उद्योगों में सालाना 300 करोड़ से ज्यादा चीजों की जानकारी रखने एवं निगरानी करने में भी मददगार है। i-TEK ने इनोवेशन और देश के विकास पर लगातार ध्यान देते हुए, भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के सफर की अगुवाई करने वाले एक सच्चे भारतीय लीडर के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

इस अवसर पर भारत सरकार के माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी जी ने सभा को संबोधित किया, और उन्होंने भारत में टेक्नोलॉजी पर आधारित बदलाव में ,-ळएड की भूमिका की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "RFID और फास्टैग की शुरूआत ने सच में एक बड़ा बदलाव ला दिया है। टोल प्लाजा पर लंबी कतारों और धीमी गति के कारण होने वाली असुविधा अब खत्म हो गई है। अब ये पूरी प्रक्रिया बहुत आसान हो

गई है, जिससे लोगों का समय, पैसा और ईंधन बच रहा है, साथ ही पारदर्शिता के जरिए सरकार की आय भी बढ़ रही है। इसे संभव बनाने में,-ळएड और इसके संस्थापक अशिम पाटिल ने आगे बढ़कर अपना योगदान दिया है, और फ्रङ्खऊ कंटेनर ट्रैकिंग के साथ-साथ जालसाजी की रोकथाम करने वाले उनके इनोवेशन, भारत में लॉजिस्टिक्स, निर्यात और बाजारों को मजबूती दे रहे हैं। इस तरह की टेक्नोलॉजी राष्ट्र-निर्माण में मददगार है, क्योंकि पारदर्शिता, कुशलता और निष्पक्षता को बढ़ावा देकर देरी और लीकेज को कम करती है। आज पाञ्चजन्य एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है, जो भारतीय इंजीनियरों और उद्यमियों द्वारा बनाए गए विश्व स्तरीय सॉल्यूशंस को दिखाता है। इस तरह के इनोवेशन और हुनर को देखते हुए, मुझे पूरा भरोसा है कि भारत केवल डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में ही आगे नहीं होगा, बल्कि आने वाले समय में दुनिया में ऑटोमोबाइल और टेक्नोलॉजी का सबसे बड़ा केंद्र भी बन जाएगा। मैं अशिम पाटिल, अवंतिका पाटिल और,-ळएड की पूरी टीम को उनकी रजत जयंती पर बधाई देता हूँ और कामना करता हूँ कि वे भारत के नवाचारों को दुनिया भर में पहुँचाने में लगातार सफल होते रहें।

अपने देश में इनोवेशन की अहमियत के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, पूर्व थल सेनाध्यक्ष, जनरल मनोज पांडे, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा, "बीते 25 सालों से इनोवेशन और जुझारूपन की मिसाल बन चुके,-ळएड के रजत जयंती समारोह का हिस्सा बनना बड़े सम्मान की बात है। दूसरे विश्व युद्ध में सेना के इस्तेमाल के लिए फ्रङ्खऊ की शुरूआत हुई थी, जो आज हमारे रोजमर्रा के जीवन और कारोबार का एक जरूरी हिस्सा बन गया है, जिसने लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और कामकाज की कुशलता में बड़े पैमाने पर बदलाव ला दिया है। पाञ्चजन्य एक्सपीरियंस सेंटर हमारे देश की वैज्ञानिक विरासत और उसकी भव्यता को बखूबी दिखाते हुए इस तकनीक की बदलाव लाने की क्षमता को भी प्रदर्शित करता है। AI, IoT, क्लाउड और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों के साथ जुड़ने से, RFID आने वाले दशक में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। i-TEK ने अशिम और अवंतिका पाटिल की अगवाई में जो शानदार प्रगति की है, वो इस बात की जीती-जागती मिसाल है कि कैसे दूर की सोच, सच्ची लगन और समर्पण से अपने देश की कंपनी को

टेक्नोलॉजी लीडर बनाया जा सकता है, जो देश की प्राथमिकताओं के अनुरूप हो। मैं i-TEK की टीम को उनके आगे के सफर में लगातार सफलता की शुभकामनाएँ देता हूँ।"

हाल ही में लॉन्च किया गया पाञ्चजन्य एक्सपीरियंस सेंटर,-TEK के भविष्य की सोच को दशार्ता है। ये दुनिया भर में इस तरह का पहला केंद्र है, जो आने वाले लोगों को RFID और IoT के लाइव उपयोग का अनुभव प्रदान करता है। इसमें फास्टैग से टोल का भुगतान, रिटेल कारोबार में समानों एवं सप्लाई चेन की निगरानी, स्मार्ट फिटिंग रूम, तेजी से चेकआउट, व्यापार लॉजिस्टिक्स में कंटेनर की सुरक्षित आवाजाही, तथा अक की मदद से स्मार्ट वेयरहाउस और रिटेल सप्लाई चेन की निगरानी जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इससे जाहिर होता है कि, i-TEK के इनोवेशन किस तरह विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्योगों का स्वरूप बदल रहे हैं, साथ ही बड़े पैमाने पर भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं।

i-TEK के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री अशिम पाटिल ने कार्यक्रम के दौरान सभी कर्मचारियों, भागीदारों और ग्राहकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "25 सालों का यह सफर, i-TEK और इस यात्रा का हिस्सा रहे हर व्यक्ति के लिए गर्व का अवसर है। RFID-आधारित टोलिंग की शुरूआत करने और फास्टैग इकोसिस्टम में योगदान देने से लेकर, भारत के निर्यात को सुरक्षित बनाने और सप्लाई चेन में बदलाव लाने तक, हमने हमेशा ऐसे सॉल्यूशंस तैयार करने पर ध्यान दिया है, जो सच में प्रभाव डालें। i-TEK में, हम माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत बनाने और $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने के सपने को पूरा करने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। देश धीरे-धीरे विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है, और मुझे पूरा यकीन है कि i-TEK देश के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और भारतीय इनोवेशन को दुनिया के सामने लाने में अहम भूमिका निभाता रहेगा। पाञ्चजन्य के शुभारंभ और हमारे गरुड़विजिलट्ठ प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ, हम विकास के एक नए दौर में कदम रख रहे हैं जहाँ भारतीय इनोवेशन हमारे देश के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के साथ-साथ दुनिया भर की सप्लाई चेन को भी नया रूप देगा। मैं विशेष रूप से माननीय श्री नितिन गडकरी जी को उनकी दूरदर्शिता और निरंतर प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा, जिसने हमारे जैसी कंपनियों को इनोवेशन करने और आगे बढ़ने के लिए सही नीतिगत माहौल तैयार किया है। पिछले साल, 54 बिलियन से ज्यादा सामानों को टैग करने के लिए RFID का उपयोग किया गया, जिसका कुल मूल्य 1.7 ट्रिलियन डॉलर था और इसने उद्यमों के EBITDA में 17 बिलियन डॉलर का योगदान भी दिया।

उन्होंने आगे कहा, "बाजार के 2030 तक 4 बिलियन डॉलर से 10 बिलियन डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है, और i-TEK भी इस अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए अपने नए RFID प्लेटफॉर्म, गरुड़विजिल के जरिए ट्रेसेबिलिटी के विश्वस्तरीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। दुनिया भर में विस्तार और अपने आने

वाले IPO के साथ-साथ हम विकास के अगले चरण की ओर बढ़ रहे हैं, और ऐसे में टेक्नोलॉजी के जरिए राष्ट्र निर्माण का हमारा संकल्प पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है।"

i-TEK की अध्यक्षा श्रीमती अवंतिका पाटिल ने कहा, "i-TEङ अपनी रजत जयंती मना रहा है और मैं इस महत्वपूर्ण पड़ाव को हमारे अब तक के सफर का आइना और भविष्य की संभावनाओं का एक वादा मानती हूँ। 25 साल पहले जो एक छोटा-सा सपना था, वो आज एक मजबूत, जुझारू उद्यम बन गया है, जो लगातार इनोवेशन करता है, खुद को ढालता है और देश की सेवा कर रहा है। पाञ्चजन्य सही मायने में एक एक्सपीरियंस सेंटर से कहीं बढ़कर है, यह हमारी प्रगति को दशार्ने वाली एक ऐसी जगह है, जो दिखाती है कि कैसे पुणे की एक घरेलू कंपनी ने ऐसे सॉल्यूशंस बनाए हैं जिनसे भारत में लाखों लोगों का जीवन बेहतर हुआ है। हमारे लिए, यह केवल अतीत के जश्न मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह भविष्य पर अपनी नजरें टिकाने का मौका भी है। हमने i-TEK को बिलियन डॉलर के उद्यम के रूप में विकसित करने, पूरी दुनिया में इसका विस्तार करने और विश्वास, इनोवेशन और सेवा के मूल्यों पर अडिग रहते हुए आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 में योगदान जारी रखने का लक्ष्य रखा है।"

2019 में टेक महिंद्रा से मिले महत्वपूर्ण निवेश और अगले तीन सालों में आईपीओ लाने की योजना के साथ, i-TEK भारत में अपनी लीडरशिप को मजबूत करते हुए दुनिया भर में विस्तार करने की तैयारी में है।

केएम अस्पताल में हुआ 36 स्कूली बच्चों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण : बांटी गई निःशुल्क दवा

-आंखों को लेकर विशेष सावधानियां बरतनी जरूरी : किशन चौधरी

-ज्यादातर बच्चे डिजिटल आई स्ट्रेन के मिले शिकार

-नेत्र चिकित्सकों ने 12 बच्चों को चश्मा लगाने की दी सलाह

मथुरा (जीएनएस)। आंखे शरीर का बहुत ही महत्वपूर्ण और नाजुक अंग होता है। आंखों के बिना जीवन बेरंग है। इसलिए बहुत जरूरी है कि आंखों की सुरक्षा के प्रति सर्तक रहना चाहिए। विशेषकर बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। यह बात आज स्कूली बच्चों के निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं निःशुल्क दवा वितरण के दौरान केएमयू के कुलाधिपति एवं मेडीकल हॉस्पिटल के चेयरमैन किशन चौधरी ने कहीं। जानकारी के अनुसार महाराजा सैनी पब्लिक जूनियर स्कूल के संस्थापक कर्नल अतुल शर्मा, प्रधानाचार्य अशोक सैनी के निर्देश पर 36 बच्चों का ग्रुप अध्यापिका कुसुम लता, ललिता, कृष्णकांत और दुर्गेश के साथ केएम मेडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल पहुंचा। जहां नेत्र विभागाध्यक्ष डा. एनके तनेजा समेत

नेत्र चिकित्सकों ने बच्चों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया तथा नेत्र ड्रॉप वितरित कीं और 12 बच्चों को चश्मा लगवाने की सलाह दी। इस संबंध में विभागाध्यक्ष डा. एनके तनेजा ने बताया कि बच्चे आजकल डिजीटल आई स्ट्रेन नामक बीमारी के शिकार हो रहे हैं, ज्यादातर बच्चों के नेत्रों की ज्योति मोबाइल चलाने से खराब हो रही है। इस बीमारी से बच्चों के सिर में दर्द, आंखों में धुंधलापन और पानी आता है तथा कुछ बच्चों में खुजली, चिपचिपापन आंखों में एलर्जी पायी गई एवं कुछ बच्चें वायरल के शिकार पाए गए। बच्चों को नेत्र विभाग के चिकित्सक डा. रवि सोनी, डा. परिधि गुप्ता, डा. आयुष पांडेय और डा. गुडिया ने बच्चों का नेत्र परीक्षण कर उन्हें दवा वितरित कीं तथा नेत्र एवं चश्मा परीक्षण शंकर सुरेखा ने किया। वहीं मेडीकल सुप्रीटेंट डा. अभय सूद ने बताया आज हमारे यहां स्कूली बच्चे नेत्र परीक्षण के लिए आए हैं, उनका निःशुल्क नेत्र परीक्षण तथा दवा वितरित की गई हैं। कहा कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं। सर्तक रहकर बच्चों के आंखों की नियमित देखभाल करना जरूरी है। नेत्र में समस्या होने पर उनके अध्ययन पर असर पड़ता है। भ्रमण के दौरान एएमएस हॉस्पिटल डा. आरपी गुप्ता समेत अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।